जागरण सिटी
www.jagran.com
लखनऊ, सोमवार, 29 अप्रैल 2024

नई पीढ़ी को लोकगीतों की याद दिला रहा भाषा विश्वविद्यालय

जासं, लखनऊः नई पीढ़ी पाश्चात्य संगीत में अपने पारंपरिक लोकगीतों को भूलती जा रही है। ऐसे में पहली बार ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय (केएमसी) ने भारतीय प्रादेशिक लोकगीतों को संग्रह कर एक पुस्तक का आकार दिया है। इसके माध्यम से विद्यार्थी अपनी समृद्ध लोकगीतों से परिचित हो सकेंगे। उसे सुर ताल दे सकेंगे। विश्वविद्यालय ने लगातार दूसरी बार इस तरह की पुस्तक तैयार की है।

इस प्रादेशिक लोकगीत संग्रह में गुजराती, राजस्थानी, छत्तीसगढ़ी, हरियाणवी, बांग्ला, गढ़वाली, कुमाऊंनी लोकगीतों को हिंदी में दिया गया है। इसमें कुछ लोकगीत अपने क्षेत्र में काफी प्रचलित हैं तो कुछ लोकगीत कम सुनाई देते हैं। अवधी में देवी गीत, सोहर के अलावा जन्म, जनेऊ, विवाह सहित हर अवसर पर होने वाले गीतों को भी लिया गया है। भोजपुरी के भी कई लोकगीत को पुस्तक में स्थान दिया गया है। ब्रज में सोहर है, इसमें राम जन्म के समय राजा दशरथ की खुशी को गीतों के माध्यम से बताया गया है। गीत है कि जनमे राम हुए री आनंद में, राजा दशरथ ने हाथी बांटे , रहा हाथी एक, राजा की हथसाल में । छत्तीसगढ़ी लोकगीत में बरात गीत गांवे अवधपुर ले चले बरतिया चले

भारतीय प्रादेशिक लोकगीत सग्रह

बरतिया की, गांवे जनकपुरी जाए वो दाई । विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एनबी सिंह का कहना है कि राज्यपाल की प्रेरणा से इस तरह के लोकगीतों का संग्रह किया गया। ये लोकगीत जनजीवन का पूरी तरह से दर्शन कराते हैं। इन लोकगीतों में जीवन का हर पहलू को देखा जा सकता है। इसे पढ़ने में जितना आनंद आता है, उससे अधिक इसका गायन करने में भी आता है।

छात्र छात्राएं अपने सांस्कृतिक विरासत को इसके माध्यम से जानेंगे। विश्वविद्यालय ने अभी इसे पुस्तक के रूप में संग्रहित किया है। भविष्य में इसे गायन के रूप में भी प्रस्तुत किया जा सकता है।

CS CamScanner

भाषा विवि : शैक्षणिक परिसर में लगेगी लिफ्ट, ऑडिटोरियम भी बनेगा

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि में विद्यार्थियों को अब पांच मंजिल चढ़कर कक्षाएं करने नहीं जाना पड़ेगा। इसके लिए विवि ने शैक्षणिक परिसर में लिफ्ट लगाने का निर्णय लिया है। इसका शिलान्यास कर दिया गया है, जल्द ही निर्माण कार्य पूरा होगा। भाषा विवि में करीबन 1200 की क्षमता का ऑडिटोरियम भी बनाने का प्रस्ताव है। इसे मंजूरी के लिए शासन को भेज दिया गया है। आगामी सत्र में बजट मिलते ही इस पर कार्य शुरू होने की उम्मीद है। कुलपति प्रो. एनबी सिंह ने बताया कि इस समय विवि में कोई भी ऑडिटोरियम नहीं है। इसके चलते कार्यक्रम करने में समस्या आती है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों की समस्या को देखते हुए शैक्षणिक भवन में लिफ्ट लगवाने का कार्य किया जा रहा है। अभी तक केवल विवि के गणेश शंकर विद्यार्थी भवन में ही लिफ्ट लगी है। (संवाद)

भाषा विवि : अब बीच में पढ़ाई छोड़ने पर नहीं खराब होगा साल

एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट में रिकॉर्ड सुरक्षित होने से आगे दोबारा शुरु कर सकेंगे पढ़ाई

आयुष तिवारी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिली है। अब अगर वे किसी कारण से बीच में पढ़ाई छोड़ देते हैं या छूट जाती है, तो उनका साल खराब नहीं होगा।

इसके लिए विवि ने नई शिक्षा नीति 2020 के तहत सभी विद्यार्थियों का रिकॉर्ड एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) में सुरक्षित कर लिया है। इससे वे आगे दोबारा पढ़ाई शुरू कर सकेंगे।

विश्वविद्यालय के प्रवेश समन्वयक प्रो. हैदर अली ने बताया कि में पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या 4149 है। इनमें से पिछले दो सत्रों के तीन हजार विद्यार्थियों के शैक्षिक रिकॉर्ड को एबीसी में सुरक्षित कर लिया गया है। एबीसी एक वर्चुअल स्टोर हाउस है, जो विवि के स्टूडेंट्स का शैक्षिक रिकॉर्ड रखेगा।

विश्वविद्यालय में पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या 4149

तीन हजार के रिकॉर्ड एबीसी में हो चुके हैं सुरक्षित

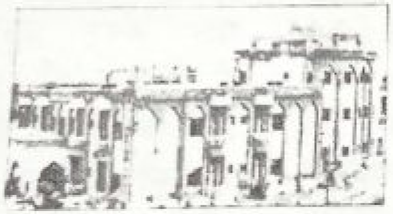

बताया कि भाषा विवि प्रदेश का एकमात्र विवि है, जहां क्रेडिट बेस च्वॉइस सिस्टम (सीबीसीएम) लागू किया गया है। एबीसी में पुराने रिकॉर्ड जमा होने पर विद्यार्थी पढ़ाई छोड़ने के बाद आगे कभी भी दोबारा पढ़ाई शुरू कर सकेंगे। इनके मल्टीपल एंट्री-एग्जिट का विकल्प होगा। इसमें स्नातक के लिए तीन से चार साल के आधार पर डॉक्यूमेंटेशन रखा गया है। एक साल पर विद्यार्थी को सर्टिफिकेट, दो साल पर एडवांस डिप्लोमा, तीन साल पर ग्रेजुएशन डिग्री और चार साल पर रिसर्च के साथ स्नातक की डिग्री मिलेगी।

सात साल होगी क्रेडिट स्टोर करने की अवधि

एबीसी में स्टोर क्रेडिट की अधिकतम अवधि सात साल होगी। फिर इसका फायदा नहीं मिलेगा। यदि संस्थान में अलग नियम हैं तो उसका फायदा छात्रों को मिल सकता है। एबीसी रजिस्टर्ड इंस्टीट्यूट की ओर से दिए गए क्रेडिट को स्टूडेंट्स के अकाउंट में जमा करेगा। यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा-निर्देशों और मानदंडों के मुताबिक क्रेडिट को भी मान्य करेगा।

ये कोर्स शामिल होंगे

एबीसी यूजीसी से मान्य सभी हायर इंस्टीट्यूट के कोर्सेस के साथ इंजीनियरिंग, मेडिकल, डेंटल, लॉ और अन्य प्रोफेशनल कोर्सेस को भी कवर करेगा। हालांकि, इनमें से कई कोर्सेस अलग-अलग प्रोफेशनल बॉडी की ओर से संचालित किए जाएंगे। क्रेडिट बैंक योजना के लिए उनकी मंजूरी मांगी जाएगी।

लविवि में 36,938 विद्यार्थी एबीसी से जुड़े

लखनऊ विश्वविद्यालय में 36,938 विद्यार्थियों को एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट से जोड़ा जा चुका है। इसके अलावा 43,633 विद्यार्थियों की डिग्रियां डिजी लॉकर में अपलोड की गई हैं। विवि में एबीसी में जुड़े बच्चे देशभर कहीं भी अपने क्रेडिट के माध्यम से पढ़ाई कर सकते हैं।

CS CamScanner

14-01-2024

भाषा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में पहली बार मिली पीएचडी की उपाधि, केरल के राज्यपाल समारोह के मुख्य अतिथि रहे

मेधावियों को मेडल, सम्मान पाकर खिली मुस्कान

मेधा का मान

[illegible]

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय का आठवां दीक्षांत समारोह शनिवार को मनाया गया। इस अवसर पर यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मेधावियों को सम्मानित किया।

[illegible]

मेहमान के आगमन पर गिरा तोरण द्वार

दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय में आने वाले मेहमानों के स्वागत के लिए लगा तोरण द्वार सुबह गिरने लगा। उसी समय राज्यपाल की फ्लीट भी आ रही थी। [illegible] इससे किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई।

स्थापना के बाद पहली बार शोध उपाधि दी गई

[illegible]

एक नजर

138 कुल बांटे गए पदकों की संख्या	121 पदक पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या
57 स्वर्ण पदक बांटे गए मेधावी छात्र और छात्राओं को	41 रजत पदक और 41 कांस्य पदक की संख्या

अतिथियों की बात

अब विद्यार्थी भाग्यशाली हैं: आनन्दी बेन पटेल

[illegible]

अधिक भाषाएं सीखें छात्र: आरिफ मोहम्मद

[illegible]

मेधा को सलाम

[illegible]

शादाब आलम

[illegible]

अश्विनी बनवाल

बीटेक कुलाधिपति स्वर्ण पदक

[illegible]

प्रिया सिंह

बीटेक कुलाधिपति स्वर्ण पदक

शहर 30s

आज नौ स्थानों पर होगा खिचड़ी वितरण

[illegible]

कलारीपयट्टू के लिए विशेष प्रशिक्षण कैंप शुरू

[illegible]

एशियाई जल पक्षियों की गणना करेगा एलयू

[illegible]

[illegible]

समाचार पत्र वितरकों ने रैन बसेरों में बांटे कंबल

[illegible]

CamScanner

Sunday Hindustan Times

MY LUCKNOW

[8TH CONVOCATION OF KMC LANGUAGE UNIVERSITY]

Use your knowledge for benefit of society, guv exhorts students

HT Correspondent

letters@hindustantimes.com

Governor Anandiben Patel with the medal winners.

LUCKNOW: Uttar Pradesh governor and chancellor Anandiben Patel on Saturday asked graduating students of Khwaja Moinuddin Chishti (KMC) Language University, Lucknow, to apply their acquired knowledge for the benefit of the society. She expressed these views in her address at the eighth convocation of the language university. The governor appreciated that the university has implemented the National Education Policy 2020 (NEP 2020) in all subjects. She asked the university to strive for top most A++ rating from the National Assessment and Accreditation Council (NAAC). She stressed on development through languages.

A total of 1,184 degrees were distributed during the ceremony. Thirty-two researchers received PhD degrees. A total of 138 medals were distributed at the ceremony.

They included 57 gold, 40 silver and 41 bronze medals. A total 74 males and 64 females won medals. Padma Bhushan Prof Kapil Kapoor was awarded the honorary D.Litt. degree. By pressing the button, all 1,184 degrees were uploaded to DigiLocker by the governor.

Addressing the convocation, the chancellor told the degree/medal recipients about the important contribution of parents and teachers in their lives. She advised them to touch the feet of their parents on returning home.

Kerala governor Arif Mohammad Khan, who was chief guest at the event, said those who knew many languages were more sensitive than others. Khan said the God resides within the human body.

A book of 'Indian Regional Folk Songs' was released and the foundation stones of various projects were also laid by the governor on the occasion. Vice chancellor, KMC Language University, Prof Narendra Bahadur Singh said students are building block of the university. He said the university is progressing gradually in all spheres of academic curriculum.

Shadab Alam received three gold medals, Ashwani Burnwal three and Priya Singh bagged two gold medals. Besides, Shakir Hussain won three gold medals while Devendra, Chandraketu and Harshita bagged two gold medals.

Welcome gate crumbles

A welcome gate at the university came crashing down just before the arrival of UP governor Anandiben Patel and Kerala governor Arif Mohammad Khan. Police and university staff removed the welcome gate to pave way for the smooth passage of the convoy in which the duo had arrived. HTC

Univ gets Kulgeet

Lucknow: In the ceremony, the newly composed university 'Kulgeet' was sung first time by the students. It has been composed by renowned poet Gajendra Singh Solanki who was felicitated on the occasion.

CamScanner

14.01.2024.

Khwaja Moinuddin Chishti Language University Honours Its Bright Students

TOPPERS GALLERY

To score well, one needs to focus on classroom lectures, time management and consistency. Giving equal time to all subjects and studying a topic with research temperament helps score better

Shadab Alam (BA-Hons: Arabic)

To score well in engineering subjects, it is important to have a practical approach. Rote learning won't help if one misses practicals, internships and assignments as these help in developing a better understanding

Ashwinee Baranwal (BTech)

One should make sure not to get lost in too much information available online. Books and classroom notes are the best source for preparation

Priya Singh (BTech)

VICE-CHANCELLOR'S GOLD MEDAL

Learning languages good for brain: Khan

Mohita.Tewari
@timesgroup.com

Lucknow: Kerala governor Arif Mohammad Khan on Saturday exhorted students to remain open to learning new languages as it helps in improving brain functioning and makes one less prone to mental ailments.

Khan was addressing students during the eighth convocation ceremony of Khwaja Moinuddin Chishti Language University.

He cited international researches which highlights that a person who knows more than two languages has no mental ailments in old age.

"Research by Oxford University suggests that speaking two or more languages supports mental function in old age. Also, many other research works have proven that the more languages you know the better your brain works and around 99% of people who knew more than two languages were found to have no mental health issues in old age," Khan said.

He said knowing multiple languages helps one understand culture, tradition, faith, practices, technology, beliefs and much more.

Quoting Nobel laureate Rabindranath Tagore, Khan said, "Tagore once said I love India not because I cultivate the idolatry of geography not be-

UP governor Anandiben Patel felicitates Kerala governor Arif Mohammad Khan at the convocation ceremony on Saturday

Make best use of tech to excel in life: Guv

Mohita.Tewari
@timesgroup.com

Lucknow: Governor and chancellor Anandiben Patel on Saturday urged students to make the best use of technology and facilities available to excel in life.

"I did BSc in 1964 and MSc in 1966, then I joined teaching and then in 1974 I did BEd. In those times, the only things a student had were books, notebooks and pens. There was no technology, laptops, smartphones or other things. You are fort-

Patel said though she won a gold medal there was no convocation ceremony and meritorious students were simply asked to come and collect their degrees and certificates.

"But now, there are convocation ceremonies to motivate and felicitate students," she said.

On the occasion, governor awarded 1184 degrees and 32 PhDs. A total of 138 medals were distributed including 57 gold, 40 silver and 41 bronze medals.

"At times I scold teachers

Khwaja varsity gets new anthem

Times News Network

Lucknow: The new kulgeet (anthem) of Khwaja Moinuddin Chishti Language University (KMCLU) was sung for the first time since the name of the varsity was changed from Khwaja Moinuddin Chishti Urdu Arbi Farsi University to KMCLU during convocation ceremony on Saturday.

The anthem 'Asatoma Sadgamaya Tamaso Maa

Mantra of toppers: Work, play balance

Times News Network

Lucknow: Loud cheers, glittering medals and with degrees in their hands, students of Khwaja Moinuddin Chisti Language University (KMCLU) were high on energy during the convocation ceremony held at the newly constructed auditorium on Saturday.

Meritorious students shared that in this age of internet, striking a balance between academics and online leisure helped them excel.

"Scoring high does not mean staying away from social media and spending less time surfing the internet. It's all about maintaining a balance between academic and leisure time," said gold medal winner Jatin Batpai.

Another gold medallist Abhishek Kumar said: "I do make reels. I am present on all social media platforms but still I scored highest in my course as I don't overuse these entertainment luxuries our generation has. These platforms are great stress busters if used wisely

PROUD MOMENT

ایک سے زائد زبانوں کے ماہر زیادہ ذہین: عارف محمد خان

خواجہ معین الدین چشتی یونیورسٹی کا ۸ رواں جلسہ تقسیم اسناد منعقد، شاداب عالم و اشونی برنوال کو چار-چار، شاکر حسین اور پریا کو تین-تین طلائی تمغے ملے

لکھنؤ (نامہ نگار) خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں ۸ رواں جلسہ تقسیم اسناد منایا گیا۔ تمغے اور ڈگریاں حاصل کرکے طلبہ کے چہرے خوشی سے کھل اٹھے۔ مہمان خصوصی کیرالہ کے گورنر عارف محمد خان نے اپنی زبان کی اہمیت سمجھانے کی کوشش کی۔ انہوں نے کہا کہ دو سے زائد زبانوں کو جاننے والوں کا ذہن زیادہ تیز ہوتا ہے۔ وہ زیادہ باشعور اور حساس ہوتے ہیں۔ متنوع تہذیبوں کو سمجھنے کے لئے مختلف زبانوں سے واقفیت بہت ضروری ہے۔ انہوں نے ریسرچ کا حوالہ دیتے ہوئے بتایا کہ کئی زبان کے ماہر افراد عمر زیادہ ہونے پر بیماریاں کم ہوتی ہیں۔

گورنر عارف محمد خان نے کہا کہ ہمارا ملک ہندوستان مختلف زبانوں کا ایک رنگا رنگ گلدستہ ہے جس کی خوشبو سے ملک کا گوشہ گوشہ مہک رہا ہے۔ ضرورت اس بات کی ہے کہ طلبہ اس خوشبو سے اپنے ذہن کو معطر کریں اور معاشرے میں اس خوشبو کو پھیلانے کا کام کریں۔ ان کے بعد ہندوستان کی علاقائی زبانوں پر مشتمل منظوم داستانوں کی کتاب کی رونمائی ہوئی۔ اس کے بعد گورنر آنندی بین پٹیل کے بدست مختلف منصوبوں کا سنگ بنیاد رکھا گیا۔ ۸ ویں تقسیم اسناد کے موقع پر ہندی کے معروف شاعر گووند رنگھ سونگی کا لکھا ہوا یونیورسٹی گیت پہلی بار یونیورسٹی کے طلبہ نے پڑھا۔

پروگرام کی صدارت کرتے ہوئے گورنر آنندی بین پٹیل نے یونیورسٹی کو نیک اور این آئی آر ایف میں بہتر کارکردگی کرنے کے لئے ترغیب دی۔ طلبہ کو مسلسل سیکھتے رہنے اور ترقی یافتہ ہندوستان میں اہم کردار ادا کرنے کا مشورہ دیا۔ انہوں نے طلبہ سے کہا کہ وہ ہفتہ میں ایک دن کیمپس میں خود سے صاف صفائی کا کام انجام دیں۔ ساتھ ہی طالبات کے ہیموگلوبن کی مستقل جانچ کرانے اور کم ہونے پر ان کی کاؤنسلنگ کرنے کا مشورہ انتظامیہ کو دیا۔ انہوں نے کہا کہ ہندوستان ہمیشہ علم و تہذیب کا مرکز رہا ہے اور ہمیشہ اس نے دنیا کی رہنمائی کی ہے۔ انھوں نے ہندوستان کی قدیم ترین یونیورسٹیوں نالندہ اور تکشلا کا تذکرہ کرتے ہوئے کہا کہ ہندوستانی قوم اور اس کی تہذیب ہمیشہ علم پر مرکوز رہی ہے۔

یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر نریندر بہادر سنگھ نے کہا کہ لینگویج یونیورسٹی مسلسل ترقی کر رہی ہے اور یہاں کے طلبہ معاشرے کے مختلف شعبوں میں یونیورسٹی کا نام روشن کر رہے ہیں۔ انھوں نے یہ بھی کہا کہ یونیورسٹی کے قیام کے بعد پہلی مرتبہ ۳۲ پی ایچ ڈی طلبہ کو ڈگریاں دی گئی ہیں۔ مہمان اعزازی وزیر برائے اعلیٰ تعلیم یوگیندر اپادھیائے نے کہا کہ ڈگری حاصل کرنے کے بعد طلبہ کو سماج میں اپنا کردار ادا کرنا چاہیے تاکہ ملک اور معاشرے کی ترقی کو ایک نئی جہت مل سکے۔

جلسہ تقسیم اسناد کی تقریب میں گورنر آنندی بین پٹیل نے ۱۱۵۲ طلبہ کی ڈگریاں ڈیجی لاکر میں اپلوڈ کیں۔ ۳۲ طلبہ کو پی ایچ ڈی کی ڈگری دی گئی۔ تقریب میں شاداب عالم نے چار گولڈ میڈل حاصل کئے، اشونی برنوال نے چار، پریا نے تین گولڈ میڈل، شاکر حسین نے تین گولڈ میڈل، دیویندر، چندر کیتو، ہرشیتا نے دو-دو گولڈ میڈل حاصل کیے۔ اس کے علاوہ نقرئی و کانسے کے میڈل بھی تقسیم کیے گئے۔ پدم بھوشن پروفیسر کپل کپور کو ڈی لٹ کی ڈگری سے نوازا گیا۔ تقریب کی نظامت ڈاکٹر نیرج شکلا نے انجام دی۔ اس موقع پر طلبہ و اساتذہ کے علاوہ دیگر لوگ کثیر تعداد میں موجود رہے۔

میڈل سے نوازے گئے طلباء گروپ فوٹو میں

میڈل پر ایک نظر

کل تمغے	۱۳۸
لڑکیوں کو	۵۷
لڑکوں کو	۲۳
طلائی تمغے	۵۷
نقرئی تمغے	۴۰
کانسہ	۴۱
کل ڈگریاں	۱۱۵۲

भाषा विश्वविद्यालय में रामायण पर शोध, उर्दू में हो रहा अनुवाद

- नई शिक्षा नीति में पहली यूनिट भारतीय ज्ञान पद्धति पर आधारित
- हिंदी साहित्य में श्रीकृष्ण पर कविताओं को पाठ्यक्रम में शामिल

जासं, लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय (केएमसी) के अध्ययन और शोध में राम और रामायण को शामिल किया गया है। साथ ही रामायण का उर्दू में अनुवाद भी किया जा रहा है। नई शिक्षा नीति में पहली यूनिट भारतीय ज्ञान पद्धति पर आधारित है। इसमें हिंदी साहित्य में श्रीकृष्ण पर कविताओं को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।

पाठ्यक्रम में श्रीराम से संबंधित उर्दू साहित्य में लिखी कविताओं को भी शामिल किया गया है। इसमें 'सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा' लिखने वाले कवि मो इकबाल ने श्रीराम पर पूरी एक कविता है। इसमें उनका एक शेर बहुत मशहूर भी है, 'है राम के वजूद पे हिंदुस्तान को नाज, अहल-ए नजर समझते हैं उसको इमाम-ए हिंद, तलवार का धनी था, शुजात में फर्द था। पाकीजगी में जोश ए मोहब्बत में फर्द था।' यानी राम के वजूद पर हिंदुस्तान गर्व करता है। लोग इनको हिंदुस्तान का मुखिया कहते हैं। वह (राम जी) तलवार के धनी थे। बहुत बहादुर थे। उनकी बहादुरी में कोई उन जैसा नहीं था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एनबी सिंह ने बताया कि वर्तमान में विश्वविद्यालय में तीन शोध परियोजनाएं रामायण, श्रीमद्भगवत गीता और वाल्मीकि की रामायण पर चल रही हैं। इसमें दो शोध परियोजना उर्दू विभाग से संचालित है।

उर्दू में रामायण का अनुवाद डा. जफरून नकी कर रहे हैं। श्रीमद्भगवत गीता के उर्दू अनुवाद का तुलनात्मक अध्ययन डा. जमाल शब्बीर रिजवी कर रहे हैं। तीसरी शोध परियोजना इतिहास विभाग में डा. लक्ष्मण सिंह कर रहे हैं। उनका विषय वाल्मीकि रामायण लोक जीवन की प्रासंगिकता और उपयोगिता है।

CamScanner

उपभोक्ता अधिनियम की जानकारी दी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के दीक्षोत्सव में रविवार को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम में उपभोक्ता कौन विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन हुआ। विवि के अटल सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह की।

विषय पर अधिवक्ता अमरेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने कहा कि यह अधिनियम केंद्र का है जिसके द्वारा उपभोक्ता के संरक्षण को सुरक्षित रखा जाता है। एडवोकेट जानकी शरण पांडे ने इंडियन रेलवे एक्ट पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पुराने 1890 के इंडियन रेलवे एक्ट जो बाद 1989 में रेलवे एक्ट बनाए गए।

CS CamScanner

arujala.com/lucknow

city

लखनऊ | रविवार • 07.01.2024

अमर उजाला 5

वैष्णवी गणतंत्र दिवस परेड में लेंगी हिस्सा

लखनऊ। भाषा विवि की एनसीसी कैडेट वैष्णवी मिश्रा 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेंगी। वह एनसीसी 20 यूपी बालिका वाहिनी की कैडेट हैं। कुलपति प्रो. एनबी सिंह ने छात्रा उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं। (संवाद)

CamScanner

भाषा विवि: दीक्षांत सप्ताह का शुभारंभ

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय में शनिवार को आठवें दीक्षांत समारोह के तहत कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन कुलपति प्रो. एनबी सिंह ने किया। विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने गणेश वंदना, नृत्य एवं सरस्वती वंदना जैसी प्रस्तुतियां दीं। मनोवैज्ञानिक डॉ. अक्षय सिंह ने लोगों को मानसिक तनाव के बारे में दूर करने की जानकारी दी। रोल ऑफ फिमेल इन मेकिंग भारत विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता हुई। इस मौके पर डॉ. बुशरा एलवेरा, डॉ. नलिनी मिश्रा व प्रो. चंदना डे उपस्थित रहीं। (संवाद)

CS CamScanner

भाषा विवि: दीक्षांत समारोह के लिए अंगवस्त्र वितरण दस से

600 रुपये शुल्क जमा कर उपाधि धारक ले सकते हैं अंगवस्त्र

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 13 जनवरी को आठवां दीक्षांत समारोह होगा। इसके लिए विद्यार्थियों को 10 से 12 जनवरी तक सुबह 11 जे से दोपहर दो बजे के बीच अंगवस्त्र का वितरण किया जाएगा। समारोह में उपाधि पाने वाले विद्यार्थी 600 रुपये शुल्क जमा करके परीक्षा विभाग से अंगवस्त्र प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए विभाग के शाश्वत मिश्रा और उपेंद्र यादव की जिम्मेदारी तय की गई है। उप परीक्षा नियंत्रक डॉ. पूनम चौधरी ने बताया कि समारोह के समापन के बाद उपाधिधारक 15-16 जनवरी को अंगवस्त्र जमा कर 500 रुपये के सुरक्षा शुल्क को परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से वापस ले सकते हैं। (संवाद)

CamScanner

भाषा विवि : शिक्षकों के सात पदों पर होगी भर्ती

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि में फार्मेसी, इंजीनियरिंग व विज्ञान संकाय में शिक्षकों के सात पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इसके अलावा फार्मेसी में निदेशक के पद पर भी भर्ती की जाएगी। पांच जनवरी व नौ जनवरी को साक्षात्कार के माध्यम से अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। इसके लिए विवि की वेबसाइट पर आवेदन करना होगा। 500 रुपये का डिमांड ड्राफ्ट विवि के वित्त अधिकारी के नाम से देना होगा।

पांच और नौ जनवरी को होगा साक्षात्कार

विवि में इसी सत्र से फार्मेसी पाठ्यक्रम के अंतर्गत बीफार्मा एवं डीफार्मा कोर्स शुरू हो रहे हैं। इसके सफल संचालन के लिए विभाग में एक प्रोफेसर (निदेशक) एक एसोसिएट प्रोफेसर एवं एक असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर भर्ती की जानी है। वहीं बीटेक की विभिन्न ब्रांचों में तीन असिस्टेंट प्रोफेसर और एप्लायड फिजिक्स में एक असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर नियुक्ति होनी है। प्रोफेसर पद पर भर्ती होने वाले अभ्यर्थी को 1.44 लाख, एसोसिएट प्रोफेसर पद के 1.31 लाख और असिस्टेंट प्रोफेसर के 57 हजार रुपये भुगतान किया जाएगा।

प्रो. कपिल कपूर को मिलेगी मानद उपाधि

भाषा विवि के 13 दिसंबर को प्रस्तावित दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रो. कपिल कपूर को मानद उपाधि प्रदान की जाएगी। पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित प्रो. कपूर भाषा विज्ञान और अंग्रेजी के प्रोफेसर रहे हैं। इसके अतिरिक्त वे जेएनयू के प्रो वाइस चांसलर भी रहे हैं। वह इनसाइक्लोपीडिया ऑफ हिंदुइज्म के संपादक भी रहे हैं।

CS CamScanner

स्वस्थ समाज
दैनिक जागरण
लखनऊ
2 जनवरी, 2024
www.jagran.com

उर्दू, अरबी, फारसी भाषा के शोधार्थियों को मिला चेक

शोधार्थी को चेक देते अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी • जागरण

जासं, लखनऊ : फखरुद्दीन अली अहमद मेमोरियल कमेटी की ओर से उर्दू-अरबी और फारसी शोधार्थियों को आर्थिक सहायता के लिए चेक दिया गया। गोमती नगर स्थित उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी के कार्यालय में अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने चेक दिया। उन्होंने कहा कि सर्व शिक्षा अभियान के तहत हर वर्ग और धर्म को शिक्षित करने पर जोर दिया जा रहा है। कमेटी चेयरमैन अतहर सग़ीर तुरज जैदी ने कहा कि कुछ चयनित छात्र लखनऊ और प्रदेश के बाहर के हैं। बाहर के छात्रों को चेक उनके पते पर भेजा जाएगा। लखनऊ विश्वविद्यालय, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, गोरखपुर विश्वविद्यालय, मौलाना आजाद विश्वविद्यालय के शोधार्थियों को चेक दिया गया।